बोर्ड कृतिपत्रिका : मार्च 2025

हिंदी लोकवाणी

समय : 2 घंटे **कुल अंक : 40**

सूचनाएँ :

1. सूचनाओं के अनुसार गद्य, पद्य, पूरक पठन तथा भाषा अध्ययन (व्याकरण) की कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।
2. सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें।
3. रचना विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।
4. शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 – गद्य : 12 अंक

1. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **[6]**

वास्तव में भाई से यह जानने के उपरांत कि उक्त सज्जन ही राजेंद्र बाबू हैं, मुझे अभिवादन का ध्यान आया ।

पहली दृष्टि में ही जो आकृति स्मृति में अंकित हो गई थी, उसमें इतने वर्षों ने न कोई रेखा जोड़ी है और न कोई नया रंग भरा है।

सत्य में से जैसे कुछ घटाना या जोड़ना संभव नहीं रहता वैसे ही सच्चे व्यक्तित्व में भी कुछ जोड़ना - घटाना संभव नहीं है।

काले घने पर छोटे कटे हुए बाल, चौड़ा मुख, चौड़ा माथा, घनी भृकुटियों के नीचे बड़ी आँखें, मुख के अनुपात में कुछ भारी नाक, कुछ गोलाई लिए चौड़ी ठुड्डी, कुछ मोटे पर सुडौल ओंठ, श्यामल झाँई देता हुआ गेहुआँ वर्ण, बड़ी-बड़ी ग्रामीणों जैसी मूँछें जो ऊपर के ओंठ को ही नहीं ढँक लेती थीं, नीचे के ओंठ पर भी रोमिल आवरण डाले हुए थीं। हाथ, पैर, शरीर सबमें लंबाई की ऐसी विशेषता थी जो दृष्टि को अनायास आकर्षित कर लेती थी।

(1) जोड़ियाँ मिलाकर फिर से लिखिए : **2**

	'अ'	'आ'
(1)	वर्ण	मोटे सुडौल
(2)	नाक	गेहुआँ
(3)	ओंठ	चौड़ा
(4)	मुख	भारी
		गोलाई

(2) निम्नलिखित शब्दों के लिंग पहचानकर लिखिए : **2**

(1) दृष्टि – .....

(2) अभिवादन – .....

(3) व्यक्तित्व – .....

(4) आँख – .....

(3) 'शारीरिक स्वास्थ्य ही सच्ची संपत्ति है' इस विषय पर 2 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। **2**

Target Publications

(आ) **निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :** **[6]**

मंत्री : महाराज, लोगों की पहली शिकायत यही है कि पानी अब निर्मल नहीं रहा है। यह नदियों और गह्वरों में बहते समय गंदगी और बीमारियाँ अपने साथ बहाकर सब जगह पहुँचा देता है।

पानी : महाराज, ये लोग पहले की तरह पानी की रखवाली नहीं करते हैं। पशुओं को जोहड़ के भीतर तैरने छोड़ जाते हैं। पशु अपनी गंदगी तालाब में छोड़ जाते हैं। गाँव की दूसरी गंदगी भी तालाब में फेंक दी जाती हैं। नदियों में कारखानों की गंदगी व शहर के गंदे नाले का पानी छोड़ा जाता है। महाराज, मैं अपने आप गंदा नहीं होता। मुझसे शिकायत करने वाले ही गंदा और दूषित करते हैं।

(1) कारण लिखिए : **2**

पानी का अशुद्ध होना–

(i) .....

(ii) .....

(2) (i) निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए : **1**

(1) बीमारियाँ – .....

(2) नदी – .....

(ii) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए : **1**

(1) शहर x .....

(2) भीतर x .....

(3) 'जल ही जीवन है' इस विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए । **2**

विभाग 2 – पद्य : 8 अंक

2. (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **[4]**

सागर का जो था मंसूबा सफल हो गया,
खुशियों की दुनिया में आकर स्वयं खो गया ।
धरती ने शृंगार किया, फिर माथे रोली,
सोंधी सोंधी-सी सुगंध, माटी से बोली।।
पावस का मधुमास आस-विश्वास बढ़ाता,
नत मस्तक होकर 'अचूक' पद पुष्प चढ़ाता ।
सदा-सदा से चलती आई हँसी-ठिठोली,
सोंधी सोंधी-सी सुगंध, माटी से बोली।।

(1) एक / दो शब्दों में उत्तर लिखिए : **2**

(i) इसका मंसूबा सफल हो गया –

.....

(ii) इसने शृंगार किया –

.....

Target Publications

(iii) सोंधी - सी सुगंध इससे बोली –

.....

(iv) पावस का मधुमास यह बढ़ाता है–

.....

(2) अंतिम चार पंक्तियों का सरल अर्थ **25** से **30** शब्दों में लिखिए। **2**

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **[4]**

सोहत है चंदवा सिर मोर को तैसिय सुंदर पाग कसी है।
वैसिय गोरज भाल बिराजत, जैसी हिये बनमाल लसी है।।
'रसखान' बिलोकत बौरी भई, दृग मूँदि के ग्वालि पुकार हँसी है।
खोलि री घूँघट, खोलौं कहा, वह मूरति नैननि माँझ बसी है ।।

सेस, गनेस, महेस, दिनेस, सुरेसहु जाहि निरंतर गावैं ।
जाहि अनादि, अनंत, अखंड, अछेद, अभेद, सुबेद बतावैं।।
नारद से सुक व्यास रटें, पचिहारे तऊ पुनि पार न पावैं ।
ताहि अहीर की छोहरियाँ, छछिया भरि छाछ पै नाच नचावैं ।।

(1) संजाल पूर्ण कीजिए : **2**

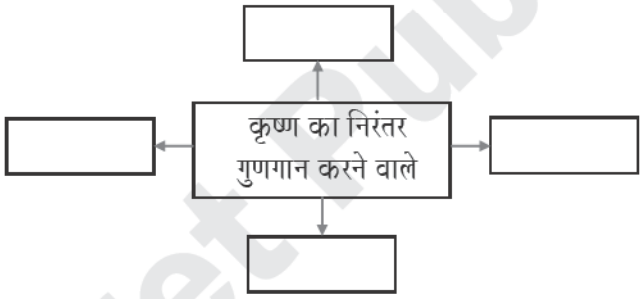

(2) प्रथम दो पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए। **2**

विभाग 3 – भाषा अध्ययन (व्याकरण) : 8 अंक

3. **सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :** **[8]**

(1) मानक वर्तनी के अनुसार सही शब्द छाँटकर लिखिए : **1**

(i) दूरष्टि / दृष्ट्री / दुष्टि / दृष्टि – .....

(ii) बुद्धी / बुद्धी / बुद्धि / बुद्धि – .....

(2) निम्नलिखित में से किसी एक अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए : **1**

(i) के कारण

(ii) हाय !

Target Publications

(3) **कृति पूर्ण कीजिए :** 1

संधि शब्द	संधि-विच्छेद	संधि भेद
.....	अहम् + कार	.....
अथवा		
उमेश	.....	.....

(4) **अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए :** 1

(चक्कर काटना, डेरा लगाना)

समाचारपत्र के पन्ने एक-दूसरे से जुदा होकर पूरे डिब्बे के फेरे लगाने लगे।

अथवा

निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ लिखकर उचित वाक्य में प्रयोग कीजिए :

(i) अंक में भरना –

(5) **कालभेद पहचानना तथा काल परिवर्तन करना :** 2

(i) निम्नलिखित वाक्य का कालभेद पहचानिए :

कोने में रखे बक्से की ओर बढ़ गया।

(ii) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी **एक** वाक्य का सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए :

(1) इनाम तो मैंने तुझे दिया। (सामान्य भविष्यकाल)

(2) वह आदमी उन बच्चों को कुछ बोल नहीं रहा है। (अपूर्ण भूतकाल)

(6) **वाक्य भेद तथा वाक्य परिवर्तन :** 2

(i) निम्नलिखित वाक्य का रचना के आधार पर भेद पहचानकर लिखिए :

बहुरूपियों के बारे में हम सब जानते हैं।

(ii) निम्नलिखित वाक्य का अर्थ के आधार पर दी गई सूचनानुसार परिवर्तन कीजिए :

चित्रकला का माध्यम आपने चुना । (प्रश्नार्थक वाक्य)

विभाग 4 – रचना विभाग (उपयोजित लेखन) : 12 अंक

सूचना – आवश्यकतानुसार परिच्छेदों में लेखन अपेक्षित है।

4. (अ) **सूचनाओं के अनुसार लिखिए :** [12]

(1) **पत्रलेखन :** 4

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्रलेखन कीजिए :

गांधी चौक, सांगली से अरुण/अरुणा तिवारी व्यवस्थापक, वसुधा औषधि भंडार, अप्पा बळवंत चौक, पुणे को वी. पी. पी. द्वारा घरेलू औषधियाँ मँगवाते हुए पत्र लिखता/लिखती है।

अथवा

स्नेह छात्रावास, नेहरू मार्ग, लातूर 413509 से रिया/रितेश वर्मा अपनी परीक्षा की तैयारी की जानकारी देते हुए अपने पिताजी को पत्र लिखता/लिखती है।

Target Publications

(2) **कहानी-लेखन :** **4**

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर 60 से 70 शब्दों में कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक दीजिए तथा सीख लिखिए :

एक गाँव – पीने के पानी की समस्या – दूर से पानी लाना – सभी परेशान – सभा का आयोजन – मिलकर श्रमदान का निर्णय – दुसरे दिन से – केवल एक आदमी काम में जुटना – धीरे-धीरे एक-एक – का आना – सारा गाँव श्रमदान में – तालाब की खुदाई – बरसात के दिनों में जमकर बारिश – तालाब का भरना – सीख।

अथवा

विज्ञापन-लेखन :

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर 50 से 60 शब्दों में आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए :

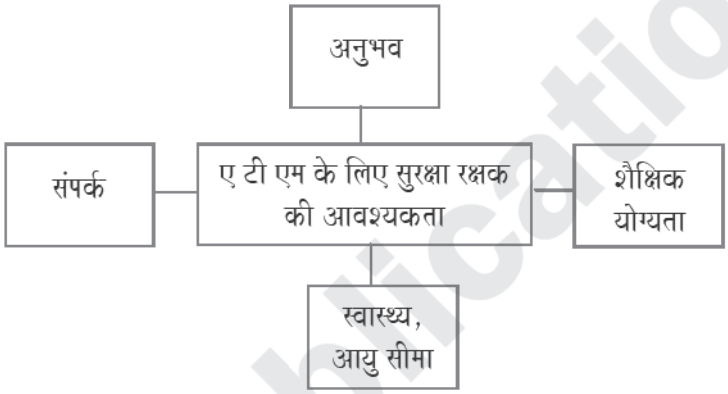

(आ) **निबंध-लेखन :** **4**

निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर **60** से **70** शब्दों में निबंध लिखिए :

(1) विज्ञान के चमत्कार

(2) बेरोजगार की आत्मकथा

Target Publications

बोर्ड कृतिपत्रिका : मार्च 2024

हिंदी लोकवाणी

समय : 2 घंटे
कुल अंक : 40

सूचनाएँ :

1. सूचनाओं के अनुसार गद्य, पद्य तथा भाषा अध्ययन (व्याकरण) की कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।
2. सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें।
3. रचना विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।
4. शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 – गद्य : 12 अंक

1. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : [6]

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी राघवेंद्र पत्नी-बच्चों सहित अपने पैतृक कस्बे में आया हुआ है। नौकरी से छुट्टियाँ न मिल पाने की मजबूरी के चलते वह चाहकर भी हफ्ता-दस दिन से ज्यादा यहाँ नहीं रुक पाता है लेकिन उसको इच्छा रहती है कि अम्मा-बाबू जी पूरे साल नहीं तो साल में दो-तीन महीने तो उसके साथ मुंबई में जरूर रहें। बच्चों को संयुक्त परिवार मिले, दादा-दादी का भरपूर प्यार मिले। अनिता, उसकी पत्नी भी यही चाहती है। यही सोचकर उन्होंने पाँच कमरों का फ्लैट खरीदा है पर न जाने क्यों अम्मा-बाबू जी वहाँ बहुत कम जाते हैं। साल भर में एकाध बार, वह भी चंद दिनों के लिए।

"बाबू जी, आप और अम्मा चार-छह दिनों के लिए नहीं, चार-छह महीनों के लिए आया कीजिए। इतनी जल्दी लौट जाते हैं तो मन कचोटने-सा लगता है।"

(1) उत्तर लिखिए : **[2]**

(i) राघवेंद्र की चाहत - **[1]**

(1) .....

(2) .....

(ii) राघवेंद्र की मजबूरी- **[1]**

(1) .....

(2) .....

(2) (i) निम्नलिखित शब्दों के लिए गद्यांश में से विलोम शब्द ढूँढ़कर लिखिए : **[1]**

(1) अनिच्छा ×.....

(2) बेचना × .....

(ii) निम्नलिखित शब्दों के लिंग पहचानिए : **[1]**

(1) पति - .....

(2) दादी - .....

(3) 'संयुक्त परिवार' इस विषय पर 2 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। **[2]**

Target Publications

(आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **[6]**

मंत्री : महाराज, लोगों की पहली शिकायत यही है कि पानी अब निर्मल नहीं रहा है। यह नदियों और गह्वरों में बहते समय गंदगी और बीमारियाँ अपने साथ बहाकर सब जगह पहुँचा देता है।

पानी : महाराज, ये लोग पहले की तरह पानी की रखवाली नहीं करते हैं। पशुओं को जोहड़ के भीतर तैरने छोड़ जाते हैं। पशु अपनी गंदगी तालाब में छोड़ जाते हैं। गाँव की दूसरी गंदगी भी तालाब में फेंक दी जाती हैं। नदियों में कारखानों की गंदगी व शहर के गंदे नाले का पानी छोड़ा जाता है। महाराज, मैं अपने आप गंदा नहीं होता। मुझसे शिकायत करने वाले ही गंदा और दूषित करते हैं।

महाराज : भाइयो, आपके पास इसका क्या जवाब है? (लोग आपस में फुस-फुसाकर बातें करते हैं, फिर उनमें से एक बोलता है।)

एक : महाराज, यह तो मान लिया पर कहीं बरसना, कहीं नहीं बरसना, यह तो इस पानी की मनमानी है।

(1) आकृति पूर्ण कीजिए : **[2]**

पानी के संबंध में लोगों की पहली शिकायत

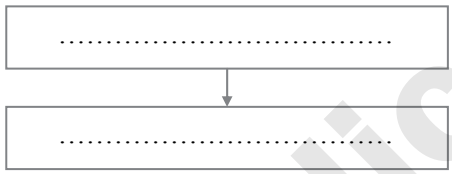

(2) (i) निम्नलिखित शब्दों के लिए गद्यांश में प्रयुक्त समानार्थी शब्द लिखिए : **[1]**

(1) जानवर - .....

(2) गड्ढा - .....

(ii) निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलिए **[1]**

(1) बीमारी - .....

(2) कारखाने - .....

(3) 'प्रदूषण के दुष्परिणाम' विषय पर अपने विचार **25** से **30** शब्दों में लिखिए। **[2]**

विभाग 2 – पद्य : 8 अंक

2. (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **[4]**

लाली मेरे लाल की, जित देखों तित लाल ।
लाली देखन मैं गई, मैं भी हो गई लाल ।।
कस्तूरी कुंडल बसै, मृग ढूँढ़े बन माहिं।
ऐसे घट में पीव है, दुनिया जानै नाहिं ।।
जिन ढूँढ़ा तिन पाइयाँ, गहिरे पानी पैठ ।
जो बौरा डूबन डरा रहा किनारे बैठ ।।
जो तोको काँटा बुवै, ताहि बोउ तू फूल।
तोहि फूल को फूल है, बाको है तिरसूल ।।

Target Publications

(1) उचित जोड़ियाँ मिलाइए : **[2]**

'अ'		उत्तर	'आ'
(i)	कस्तूरी	.....	परमात्मा
(ii)	काँटा	.....	फूल
(iii)	लाल	.....	मृग
(iv)	बौरा	.....	पानी
			किनारा

(2) पद्यांश के अंतिम दोहे का सरल अर्थ **25** से **30** शब्दों में लिखिए। **[2]**

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : [4]

क्षमामयी, तू दयामयी है, क्षेममयी है,
सुधामयी, वात्सल्यमयी, तू प्रेममयी है।
विभवशालिनी, विश्वपालिनी, दुखहर्ती है,
भयनिवारिणी, शांतिकारिणी, सुखकर्ती है।
हे शारणदायिनी देवी तू, करती सबका त्राण है।
हे मातृभूमि संतान हम, तू जननी, तू प्राण है ।।

(1) कृति पूर्ण कीजिए : **[2]**

जन्मभूमि की विशेषताएँ

(1) .....

(2) .....

(3) .....

(4) .....

(5) .....

(2) पद्यांश की किन्हीं **चार** पंक्तियों का सरल अर्थ **25** से **30** शब्दों में लिखिए। **[2]**

विभाग 3 – भाषा अध्ययन (व्याकरण) : 8 अंक

3. **सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : [8]**

(1) मानक वर्तनी के अनुसार सही शब्द छाँटकर लिखिए : **[1]**

(i) मस्तिष्क / मसतिश्क / मसतीश्क / मकसिष्क

(ii) विद्यापीठ / विद्यापीठ / विद्यापिठ / विदयपीठ

(2) निम्नलिखित में से किसी **एक** अव्यय का अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए : **[1]**

(i) कभी – कभी

(ii) पास

Target Publications

(3) कृति पूर्ण कीजिए : **[1]**

संधि शब्द	संधि-विच्छेद	संधि भेद
.....	सदा + एव	.....
अथवा		
संतोष	.....	.....

(4) अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए : **[1]**

(फूला न समाना, दंग रह जाना)

बेला के सफेद-सफेद फूलों को देखकर लेखक <u>बहुत प्रसन्न हो गए ।</u>

अथवा

निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ लिखकर उचित वाक्य में प्रयोग कीजिए :

(i) आँखें खुली रह जाना –

(5) कालभेद पहचानिए तथा काल परिवर्तन कीजिए : **[2]**

(i) निम्नलिखित वाक्य का कालभेद पहचानिए :

गाँव वाले भी खूब परिश्रम करेंगे।

(ii) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी **एक** वाक्य का सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए :

(1) एक-दूसरे से जुदा होकर पूरे डिब्बों के चक्कर काटने लगेंगे। (अपूर्ण वर्तमानकाल)

(2) मुझसे बात नहीं करते हैं। (पूर्ण भूतकाल)

(6) वाक्य भेद तथा वाक्य परिवर्तन : **[2]**

(i) निम्नलिखित वाक्य का रचना के आधार पर भेद पहचानकर लिखिए :

मजे की बात यह है कि एक समाचारपत्र के कितने उपयोग हो सकते हैं।

(ii) निम्नलिखित वाक्य का अर्थ के आधार पर दी गई सूचना के अनुसार परिवर्तन कीजिए :

यह एक भोले इनसान का विश्वास था। (निषेधार्थक वाक्य)

विभाग 4 – रचना विभाग (उपयोजित लेखन) : 12 अंक

सूचना – आवश्यकतानुसार परिच्छेद में लेखन अपेक्षित है।

4. **सूचनाओं के अनुसार लिखिए :** **[12]**

(अ) (1) **पत्रलेखन :** **[4]**

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्रलेखन कीजिए :

राजेश/रजनी पाटील, 105 'स्वागत' नेताजी मार्ग, बीड से स्वच्छता का महत्त्व समझाते हुए अपने छोटे भाई को लिखता/लिखती है।

अथवा

Target Publications

सुरेश/सविता पांडे, 51, गुलमोहर नगर, नाशिक से अपने विभाग के महाराष्ट्र राज्य बिजली मंडल के उप-अभियंता के नाम पत्र लिखकर इस महीने का बिजली का बिल कुछ अधिक रकम का आने की शिकायत करता/करती है।

(2) **गद्य आकलन प्रश्न निर्मिति :** **[4]**

निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर ऐसे **चार** प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर गद्यांश में एक-एक वाक्य में हों ।

महात्मा गाँधी ने पुस्तकों को व्यक्ति का सच्चा मित्र कहा है। पुस्तकों से अधिक आनंद और कहीं, किसी वस्तु में नहीं है। पुस्तकें ज्ञान का भंडार होती हैं। पुस्तकों में समाज पर प्रभाव डालने की अद्‌भुत क्षमता होती है। पुस्तक में ऐसी शक्ति होती है कि वह सोए देश में जागृति मंत्र फूँक दे, कमजोर मानव को बल दे, राजनेताओं पर अंकुश रखे। रूसो की पुस्तक फ्रांस में क्रांति का कारण बनी। लेनिन की पुस्तक रूस में मार्गदर्शक बनी तो गाँधी के विचार भारत को स्वतंत्र करा गए। इस प्रकार हम देखते हैं कि पुस्तकें पलभर में बादशाहत को पलटने की क्षमता रखती हैं। पुस्तकें लेखकों को अमर बना देती हैं। हम आज भी सूर, तुलसी, वाल्मीकि का नाम बहुत श्रद्‌धा से लेते हैं। पुस्तकें अकेलेपन की साथी भी हैं; क्योंकि ये अकेलेपन को भुलाए रहती हैं।

अथवा

विज्ञापन लेखन :

निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर ऐसे **चार** प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर गद्यांश में एक-एक वाक्य में हों

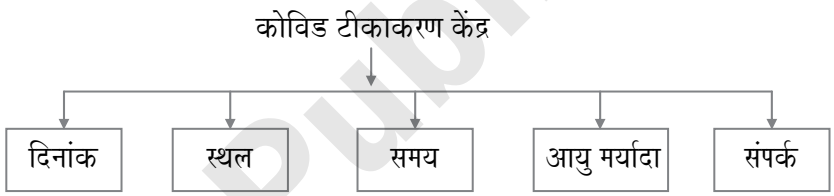

(आ) निबंध लेखन : **[4]**

निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर **60** से **70** शब्दों में निबंध लिखिए :

(1) मेरा प्रिय नेता

(2) पाठ्यपुस्तक की आत्मकथा

Target Publications

बोर्ड कृतिपत्रिका: मार्च 2023

हिंदी लोकवाणी

समय: 2 घंटे **कुल अंक: 40**

सूचनाएँ:

1. सूचनाओं के अनुसार गद्य, पद्य तथा भाषा अध्ययन (व्याकरण) की कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।
2. सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें।
3. रचना विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।
4. शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 – गद्य : 12 अंक

1. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[6]**

पहले बड़ी फिर छोटी, फिर उनसे छोटी के क्रम से बालिकाएँ मेरे संरक्षण में आ गईं। उन्हें देखने प्राय: उनकी दादी और कभी-कभी दादा भी प्रयाग आते रहे। तभी राजेंद्र बाबू की सहधर्मिणी के निकट संपर्क में आने का अवसर मिला। वे सच्चे अर्थ में धरती की पुत्री थीं। वे साध्वी, सरल, क्षमामयी, सबके प्रति ममतालु और असंख्य संबंधों की सूत्रधारिणी थीं। ससुराल में उन्होंने बालिकावधू के रूप में पदार्पण किया था। संभ्रांत जमींदार परिवार की परंपरा के अनुसार उन्हें घंटों सिर नीचा करके एकासन बैठना पड़ता था, परिणामत: उनकी रीढ़ की हड्डी इस प्रकार झुक गई कि युवती होकर भी वे सीधी खड़ी नहीं हो पाती थीं।

बालिकाओं के संबंध में राजेंद्र बाबू का स्पष्ट निर्देश था कि वे सामान्य बालिकाओं के समान बहुत सादगी और संयम से रहें। वे खादी के कपड़े पहनती थीं, जिन्हें वे स्वयं ही धो लेती थीं। उनके साबुन-तेल आदि का व्यय भी सीमित था। कमरे की सफाई, झाड़-पोंछ, गुरुजनों की सेवा आदि भी उनके अध्ययन के आवश्यक अंग थे।

(1) संजाल पूर्ण कीजिए: **[2]**

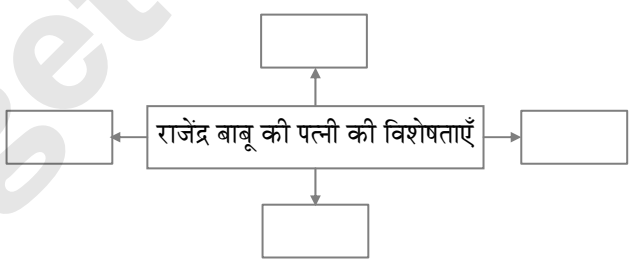

(2) (i) निम्नलिखित शब्दों के लिंग पहचानकर लिखिए: **[1]**

(1) बालक .....

(2) धरती .....

(ii) कृति पूर्ण कीजिए: **[1]**

(3) "सादा जीवन उच्च विचार" विषय पर **25** से **30** शब्दों में अपने विचार लिखिए। **[2]**

Target Publications

(आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: [6]

आदमी : महाराज की जय हो, महाराज आज-कल हवा में खुशबू नहीं होती। यह हर समय हमारे यहाँ बदबू फैलाती है। इसकी बदबू के कारण रहना मुश्किल हो गया है।

हवा : महाराज, यह आरोप झूठा है। बदबू के कारण तो मेरा जीना कठिन हो गया है। अपने-आपमें मेरे पास न तो खुशबू है न बदबू। पहले ऐसा नहीं होता था। आज-कल ये लोग मरे हुए पशु-पक्षियों को यहाँ-वहाँ डाल देते हैं। उनके कारण मैं बदबूवाली हो जाती हूँ। इनके कारखानों से निकली गंदगी और गैसें मुझमें घुल जाती हैं और यह बदबू दूर तक फैलती रहती है। मुझे याद है कि एक बार भोपाल के एक कारखाने से निकली जहरीली गैस मुझपर सवार होकर दूर-दूर तक फैल गई थी और कितने ही लोग रात में सोए हुए ही मौत के मुँह में चले गए थे। इन लोगों से कहिए कि ये गंदगी के ढेर न लगाएँ, सफाई रखें। कचरे से कंपोस्ट खाद बनाएँ।

(1) कारण लिखिए: **[2]**

हवा बदबूवाली होती है –

(i) .....

(ii) .....

(2) (i) उपर्युक्त गद्यांश से अँग्रेजी शब्द ढूँढ़कर लिखिए: **[1]**

(1) .....

(2) .....

(ii) गद्यांश से विलोम शब्द की जोड़ी ढूँढ़कर लिखिए: **[1]**

(1) ..... × .....

(3) 'बढ़ते हुए प्रदूषण को रोकने के उपाय' विषय पर **25** से **30** शब्दों में अपने विचार लिखिए। **[2]**

विभाग 2 – पद्य : 8 अंक

2. (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: [4]

निर्मल तेरा नीर अमृत के सम उत्तम है,
शीतल-मंद-सुगंध पवन हर लेता श्रम है।
षड्ऋतुओं का विविध दृश्ययुत अद्भुत क्रम है,
हरियाली का फर्श नहीं मखमल से कम है।
शुचि सुधा सींचता रात में, तुझपर चंद्र प्रकाश है।
हे मातृभूमि! दिन में तरणि, करता तम का नाश है।।

(1) उचित जोड़ियाँ लगाइए: **[2]**

	'अ'	उत्तर	'ब'
(i)	निर्मल	.....	दृश्य
(ii)	शीतल	.....	मखमल
(iii)	षड्ऋतु	.....	पवन
(iv)	हरियाली	.....	नीर

(2) प्रथम चार पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए। **[2]**

Target Publications

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: [4]

जाको राखै साइयाँ, मारि न सक्कै कोय।
बाल न बाँका करि सकै, जो जग बैरी होय।।
नैनों अंतर आव तूँ, नैन झाँपि तोहिं लेवँ।
ना मैं देखों और को, ना तोहि देखन देवँ।।
लाली मेरे लाल की, जित देखों तित लाल।
लाली देखन में गई, मैं भी हो गई लाल।।

(1) कारण लिखिए: **[2]**

कवि प्रभु को आँखों में बंद करना चाहते हैं।
↓
(i) .....
(ii) .....

(2) अंतिम **दो** पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए। **[2]**

विभाग 3 – भाषा अध्ययन (व्याकरण) : 8 अंक

3. सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: [8]

(1) मानक वर्तनी के अनुसार सही शब्द छाँटकर लिखिए: **[1]**

(i) इकट्ठा, इकठटा, इकठ्टा, इक्कट्ठा .....

(ii) बुद्धी, बुध्दी, बुद्धि, बूद्धि .....

(2) निम्नलिखित में से किसी **एक** अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए: **[1]**

(i) वहाँ

(ii) ओह!

(3) कृति पूर्ण कीजिए: **[1]**

संधि शब्द	संधि-विच्छेद	संधि भेद
दुर्लभ	.....	.....
	अथवा	
.....	सदा + एव	.....

(4) अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए: **[1]**
(अंक में भरना, खाली हाथ लौटना)
समीर ने मुझे देखते ही <u>गले लगा लिया</u>।

अथवा

निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ लिखकर उचित वाक्य में प्रयोग कीजिए:

(i) तंग करना –

(5) कालभेद पहचानना तथा काल परिवर्तन: **[2]**

(i) निम्नलिखित वाक्य का कालभेद पहचानिए:
बचपन में मैंने परिजनों की, बुजुर्गों की सेवा की।

Target Publications

(ii) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी **एक** वाक्य का सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए:

(1) मुझे देखते ही चाय हाजिर करता है। (पूर्ण वर्तमानकाल)

(2) मुझे अभिवादन का ध्यान आता है। (सामान्य भूतकाल)

(6) वाक्य भेद तथा वाक्य परिवर्तन: **[2]**

(i) निम्नलिखित वाक्य का रचना के आधार पर भेद पहचानकर लिखिए:
यदि भगवान ने चाहा तो सेठानी सात दिन में ठीक हो जाएगी।

(ii) निम्नलिखित वाक्य का अर्थ के आधार पर दी गई सूचना के अनुसार परिवर्तन कीजिए:
ताजगी महसूस होती है। (निषेधार्थक वाक्य)

विभाग 4 – रचना विभाग (उपयोजित लेखन) : 12 अंक

सूचना – आवश्यकतानुसार परिच्छेदों में लेखन अपेक्षित है।

4. सूचनाओं के अनुसार लिखिए: [12]

(अ) (1) पत्रलेखन: [4]

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्रलेखन कीजिए:
अजय सिन्हा/अंजना सिन्हा, सुंदर नगर, जत से नगर विकास अधिकारी, नगर परिषद, जत को बच्चों को खेलने के लिए बगीचा बनवाने हेतु पत्र लिखता/लिखती है।

अथवा

चेतना सोनवणे/चेतन सोनवणे, आझाद नगर, चिखली से अपनी सहेली/मित्र फरहाना शेख/फरहान शेख, तिलक नगर, रायपुर को बहन की शादी में आमंत्रित करने के लिए पत्र लिखती/लिखता है।

(२) विज्ञापन: [4]

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर **50** से **60** शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए:

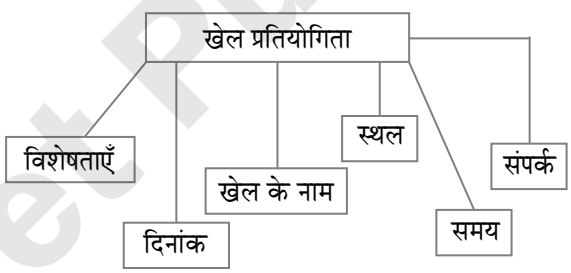

अथवा

गद्य आकलन – प्रश्न निर्मिति:

निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर ऐसे **चार** प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर गद्यांश में एक-एक वाक्य में हों –

पिता जी ने धोती ऊपर कर ली, कुरते की बाँहें चढ़ा लीं और अपना पहाड़ी मोंटा डंडा दाहिने हाथ से कंधे पर सँभाले, बायाँ हाथ तेजी से हिलाते, नंगे पाँव आगे बढ़े। उन्होंने उनके पास जाकर कहा, "मैं लड़ने नहीं आया हूँ। लड़ने को आता तो अपने साथ औरों को भी लाता। डंडा केवल आत्मरक्षा के लिए साथ है, कोई अकेला मुझे चुनौती देगा तो पीछे नहीं हटूँगा। मर्द की लड़ाई बराबर की लड़ाई है, चार ने मिलकर एक को पीट दिया तो क्या बहादुरी दिखाई।"

(आ) निबंध लेखन: [4]

निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर **60** से **70** शब्दों में निबंध लिखिए:

(1) मोबाइल शाप या वरदान

(2) यदि मैं पंछी होता.....

Target Publications

बोर्ड कृतिपत्रिका: जुलाई 2023

हिंदी लोकवाणी

समय: 2 घंटे **कुल अंक: 40**

सूचनाएँ:

1. सूचनाओं के अनुसार गद्य, पद्य तथा भाषा अध्ययन (व्याकरण) की कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।
2. सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें।
3. रचना विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।
4. शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 – गद्य : 12 अंक

1. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[6]**

कई वर्षों की बात है। एक पुरना गाँव था। एक आदमी ने जाने कहाँ से भटकता दूर-दराज के उस गाँव में आ पहुँचा था। गाँव के कुत्तों ने जब चीथड़ों में लिपटे अजीब आदमी को देखा तो उन्हें वह कोई पागल लगा। वे उसपर बेतहाशा भौंकने लगे। गाँव के बच्चे खेल रहे थे। कुत्तों की देखा-देखी गाँव के बच्चे भी पूरी दोपहर उसे छेड़ते और तंग करते रहे। आश्चर्य की बात यह थी कि वह आदमी उन बच्चों को कुछ बोल नहीं रहा था। संयोग से किसी भले आदमी ने गाँव के बच्चों को उसपर पत्थर फेंकते हुए देख लिया। जब वह भला आदमी उस आदमी के करीब गया तो उसके चेहरे पर मौजूद खोएपन के भाव के बावजूद उसे उसमें गरिमा के चिह्न दिखे। 'यह आदमी पागल नहीं हो सकता' – उसने सोचा। गाँव के उस आगंतुक भले व्यक्ति ने उस आदमी से उसका नाम-पता पूछा, पर वह कोई उत्तर नहीं दे सका।

(1) उत्तर लिखिए: **[2]**

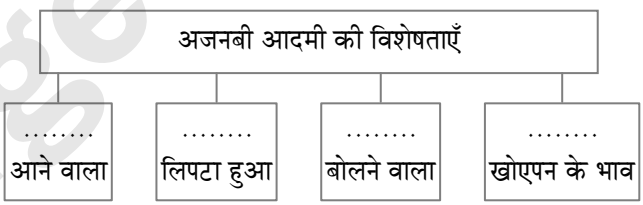

(2) (i) निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द गद्यांश से ढूँढ़कर लिखिए: **[1]**

(1) गौरव –

(2) जवाब –

(ii) निम्नलिखित शब्दों के वचन परिवर्तन कीजिए: **[1]**

(1) बच्चे –

(2) चेहरा –

(3) "बिना वजह किसी को तंग करना बुरी बात है" इस विषय पर अपने विचार **25** से **30** शब्दों में लिखिए। **[2]**

Target Publications

(आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: [6]

नगर के सबसे बड़े सेठ से जब किसी ने साधु का जिक्र किया, तो वह अविश्वास से हँस पड़ा। बोला, "ऐसे ढोंगी जाने यहाँ कितने आते रहते हैं!" और वह अपने कारोबार में लग गया। साधु का नाम चारों ओर फैलता जा रहा था। साधु भी कभी-कभी सोचता कि अब फिर बहुरूपिया जीवन में लौटने में क्या रखा है, क्यों न इसी जीवन में अपनी जिंदगी लगा दी जाए। फिर उसका मन धिक्कारने लगता कि वह जिंदगी भर साधु बना रहा, तो अपने असली पेशे के साथ बेईमानी करेगा। इसी सोच-विचार में उसके दिन निकलने लगे।

एक बार सेठ की पत्नी बहुत बीमार हो गई। दुनिया भर के इलाज कराए गए, वैद्य-डॉक्टर बुलाए, लेकिन सेठानी की तबीयत ठीक ही नहीं हुई। उसे लगता था कि वह अब नहीं बचेगी। मित्रों और शुभचिंतकों ने सलाह दी कि एक बार उस साधु को दिखा देने में क्या हानि है। हारकर सेठ तैयार हो गया।

(1) लिखिए: **[2]**

साधु का सोचना

(i) ..... (ii) .....

(2) (i) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द गद्यांश से ढूँढ़कर लिखिए: **[1]**

(1) विश्वास × .....

(2) लाभ × .....

(ii) उपसर्ग तथा प्रत्ययुक्त शब्द तैयार कर लिखिए: **[1]**

उपसर्गयुक्त शब्द		मूल शब्द		प्रत्ययुक्त शब्द
.....	←	मान	→	.....

(3) 'रोगियों की सेवा ही ईश्वर सेवा है' इस विषय पर अपने विचार **25** से **30** शब्दों में लिखिए। **[2]**

विभाग 2 – पद्य : 8 अंक

2. (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: [4]

सिष को ऐसा चाहिए, गुरु को सब कुछ देय।
गुरु को ऐसा चाहिए, सिष से कुछ नहिं लेय।।
कबिरा संगत साधु की, ज्यों गंधी की बास।
जो कुछ गंधी दे नहीं, तौ भी बास सुबास।।
दुर्बल को न सताइए, जाकी मोटी हाय।
बिना जीव की स्वाँस से, लोह भसम ह्वै जाय।।
गुरु कुम्हार सिष कुंभ है, गढ़-गढ़ काढ़ै खोट।
अंतर हाथ सहार दै, बाहर बाहै चोट।।

(1) विशेषताएँ लिखिए: **[2]**

(i) गुरु .....

(ii) शिष्य .....

(2) प्रथम दो पंक्तियों का सरल अर्थ **25** से **30** शब्दों में लिखिए। **[2]**

Target Publications

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: [4]

ऐसा वसंत कब आएगा?
जब मानवता के वन-उपवन का
हर प्रसून खिल पाएगा?
ऐसा वसंत कब आएगा?
लड़कर अभाव के पतझड़ से,
नव सर्जन रण में विजयी बन,
सुख-सुविधा रस के सम वितरण का
पा नवयौवनमय जीवन,
हर मनुज-कुसुम संतोषमयी
मुस्कान मधुर बरसाएगा
ऐसा वसंत कब आएगा

(1) संजाल पूर्ण कीजिए: **[2]**

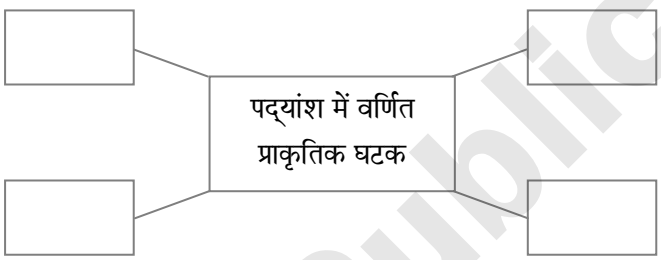

(2) किन्हीं चार पंक्तियों का सरल अर्थ **25** से **30** शब्दों में लिखिए। **[2]**

विभाग 3 – भाषा अध्ययन (व्याकरण) : 8 अंक

3. सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: [8]

(1) मानक वर्तनी के अनुसार सही शब्द छाँटकर लिखिए: **[1]**

(i) परसिद्ध / प्रसिध्ध / प्रसिद्ध / प्रसीद्ध

(ii) मुश्कील / मुशकील / मुश्किल / मुष्कील

(2) निम्नलिखित अव्ययों में से किसी **एक** अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए: **[1]**

(i) अरेरे!

(ii) धीरे-धीरे

(3) कृति पूर्ण कीजिए: **[1]**

संधि शब्द	संधि-विच्छेद	संधि भेद
दुस्साहस	.....	.....
	अथवा	
.....	सत् + जन	.....

Target Publications

(4) अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए: **[1]**

(आगाह कर देना, चौपट हो जाना)

मौसम विभाग ने सभी लोगों को सचेत किया कि आज तेज बारिश होने वाली है।

अथवा

निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ लिखकर उचित वाक्य में प्रयोग कीजिए:

(i) चक्कर काटना –

(5) कालभेद पहचानना तथा काल परिवर्तन: **[2]**

(i) निम्नलिखित वाक्य का कालभेद पहचानिए:

लोगों का बिल बनाते-बनाते अपना भी वेतन निकल जाता है।

(ii) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी **एक** वाक्य का सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए:

(1) किस प्राकृतिक मनोरम दृश्य को देखना चाहता हूँ। (अपूर्ण भूतकाल)

(2) तीर की तरह शब्द उछलता है। (सामान्य भविष्यकाल)

(6) वाक्य भेद तथा वाक्य परिवर्तन: **[2]**

(i) निम्नलिखित वाक्य का रचना के आधार पर भेद पहचानकर लिखिए:

वह आदमी भी उस गाँव में रहने के लिए तैयार हो गया।

(ii) निम्नलिखित वाक्य का अर्थ के आधार पर दी गई सूचना के अनुसार परिवर्तन कीजिए:

कई दिनों से मैं तुम्हारे चौके में गई। (निषेधार्थक वाक्य)

विभाग 4 – रचना विभाग (उपयोजित लेखन) : 12 अंक

सूचना – आवश्यकतानुसार परिच्छेद में लेखन अपेक्षित है।

4. सूचनाओं के अनुसार लिखिए: [12]

(अ) (1) पत्रलेखन: [4]

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्रलेखन कीजिए:

संजय/साधना कपूर, 5 'स्वानुभव' साई नगर, सोलापुर से अपने मित्र/सहेली आर्जव/आर्जवी गाडेकर, 1143-आविष्कार नगर, पुणे को गायन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने के उपलक्ष्य में अभिनंदन करने हेतु पत्र लिखता/लिखती है।

अथवा

रोहन/रोहीणी-15 गुलमंडी, औरंगपुरा रोड, औरंगाबाद से शहर में पेड़-पौधों की हो रही अनियंत्रित कटाई के बारे में औरंगाबाद महानगरपालिका के आयुक्त को पत्र लिखकर शिकायत करता/करती है।

(२) कहानी लेखन: [4]

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर **60** से **70** शब्दों में कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक दीजिए तथा सीख लिखिए:

गाँव में लड़कियाँ – सभी पढ़ने में होशियार – गाँव में पानी का अभाव – लड़कियों का घर के कामों में सहायता करना – बहुत दूर से पानी लाना – पढ़ाई के लिए कम समय मिलना – लड़कियों का समस्या पर चर्चा करना – समस्या सुलझाने का उपाय खोजना – गाँव वालों की सहायता से प्रयोग करना – सफलता पाना – शीर्षक – सीख।

अथवा

Target Publications

गद्य आकलन – प्रश्न निर्मिति:

निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर ऐसे **चार** प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर गद्यांश में एक-एक वाक्य में हों–

मनुष्य ने स्वार्थवश बहुत से पौधों एवं वनों को काटा है। वनों की कमी के कारण जलवायु में परिवर्तन आया है। जमीन बंजर होने लगी है तथा प्रकृति का संतुलन बिगड़ा है। पौधे मिट्टी से खनिज लवण और पानी लेते हैं। मिट्टी पौधों की वृद्धि के लिए अत्यावश्यक है। पौधे की जड़ें मिट्टी के कणों को जकड़े रखती हैं और उसे बह जाने से रोके रखती हैं। जमीन पर गिरे हुए पत्ते भी ऊपर की मिट्टी को पानी के साथ बहा ले जाते हैं। इसी को मिट्टी का कटाव कहते हैं। मिट्टी के कटाव से महत्त्वपूर्ण जैविक पदार्थ खो जाते हैं तथा भूमि बंजर हो जाती है। प्राय: यह भी देखा गया है कि जहाँ वन अधिक नहीं होते वहाँ वर्षा कम होती है और जब होती है, तो बाढ़ आ जाती है। बाढ़ के कारण एक और हानि यह होती है कि मिट्टी बह-बहकर जल स्रोतों में जमा हो जाती है जिससे उनकी गहराई कम हो जाती है।

(आ) निबंध लेखन: **[4]**

निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर **60** से **70** शब्दों में निबंध लिखिए:

(1) समय बड़ा बलवान

(2) मैं हूँ पाठशाला का श्यामपट

Target Publications

बोर्ड कृतिपत्रिका: मार्च 2022

समय: 2 घंटे **कुल अंक: 40**

सूचनाएँ:

1. सूचनाओं के अनुसार गद्य, पद्य तथा भाषा अध्ययन (व्याकरण) की कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।
2. सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें।
3. रचना विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।
4. शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 – गद्य : 12 अंक

1. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[6]**

साँझ हो चली थी, डिब्बे की बत्तियाँ जलने लगी थीं, लोगों ने अपने-अपने होल्डॉल बिछाने शुरू कर दिए। मैंने भी थककर चूर हो जाने के कारण सिरदर्द की एक गोली खाई और लेटना चाहा।

सहयात्री ने देखा तो पूछा – "क्या आपको सिरदर्द हो रहा है?"

मैंने कहा - "जी हाँ।"

बोले – "आप ऐसी-वैसी गोलियाँ क्यों खाते हैं, इससे रिएक्शन हो सकता है। फिर पूछा – "कल क्या खाया था। रास्ते में कहीं पूरी-कचौड़ी तो नहीं खा ली? अरे! ये रेलवे के ठेकेदार कल की बासी पूरी-कचौड़ी को उबलती कड़ाही में डालकर ताजा के नाम पर बेचते हैं। कहेंगे हाथ लगाकर देख लो, गरम है कि नहीं। उन्हें तो अपनी जेब गरम करनी है।"

"मैं तो घर से पराँठे लेकर चलता हूँ। रास्ते में कोई और पराँठेवाला मिल जाता है तो दो और दो-चार मिलाकर खाने में मजा आ जाता है।"

मैंने कहा – "मेरे परिवार में सभी के सिर हैं, अतएव सबको सिरदर्द होना स्वाभाविक है।"

(1) उत्तर लिखिए:

(i) **[1]**

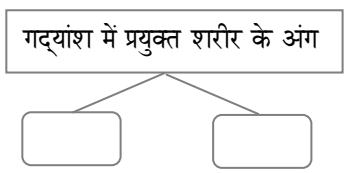

(ii) **[1]**

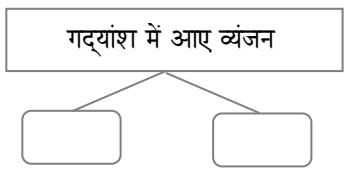

(2) (i) गद्यांश में आए अंग्रेजी शब्द ढूँढ़कर लिखिए: **[1]**

(1) (2)

(ii) निम्नलिखित शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए: **[1]**

रास्ता = (1) _____ (2) _____

(3) "रेल यात्रा पर जाने से पहले आरक्षण की आवश्यकता है" इस संदर्भ में 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। **[2]**

(आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: [6]

एक बार एक बहुरूपिये ने साधु का रूप बनाया–सिर पर जटाएँ, नंगे शरीर पर भस्म, माथे पर त्रिपुंड, कमर में लँगोटी। उसके रूप में कहीं कोई कसर नहीं थी और वह संसारत्यागी साधु ही लगता था। उसने नगर से बाहर बड़े-से पेड़ के नीचे अपनी झोंपड़ी तैयार की, बगीचा लगाया और बैठकर तपस्या करने लगा। धीरे-धीरे सारे नगर में यह समाचार फैलने लगा कि बाहर एक बहुत पहुँचे हुए महात्मा ने आकर डेरा लगाया है। लोग उसके दर्शनों को आने लगे और धीरे-धीरे चारों तरफ साधु का यश फैल गया। सारे दिन उसके यहाँ भीड़ लगी रहती थी। लोग कहते थे कि महात्मा जी के उपदेशों में जादू है और उनके आशीर्वाद से संसार के बड़े से बड़े कष्ट दूर हो जाते हैं। अपनी इस कीर्ति से साधु को कभी-कभी बड़ा आश्चर्य होता और मन-ही-मन वह अपनी सफलता पर मुसकराया करता।

उत्तर लिखिए:

(1) बहुरूपिये का साधु रूप ऐसा था: **[2]**

(i) माथे पर _____

(ii) सिर पर _____

(iii) नंगे शरीर पर _____

(iv) कमर में _____

(2) (i) निम्नलिखित शब्दों के विलोमार्थक शब्द गद्यांश में से ढूँढ़कर लिखिए : **[1]**

1 महल × 2 असफलता ×

(ii) निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए : **[1]**

1 डेरा × 2 लँगोटी ×

(3) 'हमें अपने व्यवसाय के प्रति ईमानदार होना चाहिए' 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। **[2]**

विभाग 2 – पद्य : 8 अंक

2. (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: [4]

सोंधी-सोंधी-सी सुगंध, माटी से बोली,
बादल बरस गया, धरती ने आँखें खोलीं।
चारों ओर हुई हरियाली कहे मयूरा,
सदियों का जो सपना है हो जाए पूरा।
एक यहाँ पर नहीं अकेला, होगी टोली,
सोंधी-सोंधी-सी सुगंध, माटी से बोली।।
बाग-बगीचे, ताल-तलैया सब मुस्काएँ,
झूम-झूमकर मस्ती में तरु गीत सुनाएँ।
मस्त पवन ने अब खोली है अपनी झोली,
सोंधी-सोंधी-सी सुगंध, माटी से बोली।।

(1) संजाल पूर्ण कीजिए: **[2]**

	बादलों के बरसने से आए परिवर्तन	

(2) पद्यांश की अंतिम चार पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए। **[2]**

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[4]**

धूरि भरे अति सोहत स्याम जू, तैसी बनी सिर सुंदर चोटी।
खेलत खात फिरैं अँगना, पग पैंजनि बाजति, पीरी कछोटी।।
वा छबि के 'रसखान' बिलोकत, वारत काम कला निधि कोटी।
काग के भाग कहा कहिए, हरि हाथ सों लै गयो माखन रोटी।।
सोहत है चँदवा सिर मोर को, तैसिय सुंदर पाग कसी है।
वैसिय गोरज भाल बिराजत, जैसी हिये बनमाल लसी है।।
'रसखान' बिलोकत बौरी भई, दृग मूँदि कै ग्वालि पुकार हँसी है।
खोलि री घूँघट, खोलौं कहा, वह मूरति नैननि माँझ बसी है।।

(1) आकृति में लिखिए: **[1]**

(i) पद्यांश में प्रयुक्त पंछियों के नाम

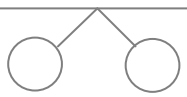

(ii) कृष्ण ने पहने हैं _____ **[1]**

(1) पग में =
(2) सुंदर कसी हुई =

(2) पद्यांश की प्रथम दो पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए। **[2]**

विभाग 3 – भाषा अध्ययन (व्याकरण) : 8 अंक

3. सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[8]**

(1) मानक वर्तनी के अनुसार सही शब्द छाँटकर लिखिए: **[1]**

(i) सुरक्शित, सुरक्षित, सूरक्षित, सुरक्षीत _____

(ii) मन्त्रमुग्ध, मंत्रमुग्ध, मँत्रमुग्ध, मंत्रमुगद्ध _____

(2) निम्नलिखित अव्ययों में से किसी **एक** अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए: **[1]**

(i) अथवा

(ii) आह!

(3) कृति पूर्ण कीजिए: **[1]**

संधि शब्द	संधि-विच्छेद	संधि भेद
हिमालय	_____	_____
	अथवा	
_____	आशी: + वाद	_____

(4) अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए: **[1]**
(अंक में भरना, पिंड छुड़ाना)
भवन की तत्कालीन स्वामिनी ने मुझे गले लगया।

अथवा

निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ लिखकर उचित वाक्य में प्रयोग कीजिए:
मौत के मुँह में चले जाना –

(5) कालभेद पहचानना तथा काल परिवर्तन करना: **[2]**

(i) निम्नलिखित वाक्य का कालभेद पहचानिए:
कहाँ तक चल रहे हैं?

(ii) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी **एक** वाक्य का सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए:

(1) वे पास के कमरे में बैठे हैं। (सामान्य भविष्यकाल)

(2) मुझे अभिवादन का ध्यान आया। (पूर्ण भूतकाल)

(6) वाक्य के भेद तथा वाक्य परिवर्तन: **[2]**

(i) निम्नलिखित वाक्य का रचना के आधार पर भेद पहचानकर लिखिए:
वह आदमी पागल नहीं हो सकता।

(ii) निम्नलिखित वाक्य का अर्थ के आधार पर दी गई सूचना के अनुसार परिवर्तन कीजिए:
इसका हमने तुम्हें न्योता दिया था। (प्रश्नार्थक वाक्य)

विभाग 4 – रचना विभाग (उपयोजित लेखन) : 12 अंक

सूचना – आवश्यकतानुसार परिच्छेदों में लेखन अपेक्षित है।

4. सूचनाओं के अनुसार लिखिए: [12]

(अ) (1) पत्रलेखन: [4]

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्रलेखन कीजिए:

कोपरी रहिवासी संघ, ए-111, कोपरी, विलास भवन, ठाणे (पश्चिम) मंडल आयुक्त, जोन-3, महानगरपालिका, कोपरी, ठाणे (पश्चिम) को क्षेत्र में फैली गंदगी के संबंध में शिकायत-पत्र लिखते हैं।

अथवा

औरंगाबाद में रहने वाला/वाली सोहम शर्मा अपना/अपनी मित्र/सहेली मोहन/मोहिनी पांडे को 'व्यायाम का महत्त्व' समझाते हुए पत्र लिखता/लिखती है।

(२) कहानी लेखन: [4]

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर **60** से **70** शब्दों में कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक दीजिए तथा सीख लिखिए:

एक मजदूर – दिन भर श्रम करना – बनिया की दुकान से रोज चावल खरीदना – बनिया द्वारा बचत की सलाह – मजदूर की उपेक्षा करना – बनिया द्वारा मजदूर के चावलों में से थोड़ा-थोड़ा चावल अलग करना – पंद्रह दिन बाद मजदूर के हाथ में दो किलो चावल – मजदूर आश्चर्यचकित – बनिया का बचत की बात बताना – मजदूर को बचत का महत्त्व समझना – सीख।

अथवा

गद्य आकलन – प्रश्न निर्मिति:

विख्यात गणितज्ञ सी.वी. रमण ने छात्रावस्था में ही विज्ञान के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का सिक्का देश में ही नहीं विदेशों में भी जमा लिया था।

रमण का एक साथी छात्र ध्वनि के संबंध में कुछ प्रयोग कर रहा था। उसे कुछ कठिनाइयाँ प्रतीत हुईं, संदेह हुए। वह अपने अध्यापक जोन्स साहब के पास गया परंतु वह भी उसका संदेह निवारण न कर सके। रमण को पता चला तो उन्होंने उस समस्या का अध्ययन-मनन किया और इस संबंध में उस समय के प्रसिद्ध लॉर्ड रेले के निबंध पढ़े और उस समस्या का एक नया ही हल खोज निकाला। यह हल पहले हल से सरल और

अच्छा था। लॉर्ड रेले को इस बात का पता चला तो उन्होंने रमण की प्रतिभा की भूरि-भूरि प्रशंसा की। अध्यापक जोन्स भी प्रसन्न हुए और उन्होंने रमण से इस प्रयोग के संबंध में लेख लिखने को कहा। रमण ने लेख लिखकर श्री जोन्स को दिया, पर जोन्स उसे जल्दी लौटा न सके। कारण संभवत: यह था कि वह उसे पूरी तरह आत्मसात न कर सके।

(आ) निबंध लेखन: **[4]**

निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर **60** से **70** शब्दों में निबंध लिखिए:

(1) मेरा प्रिय नेता

(2) मोबाइल की उपयोगिता।

बोर्ड कृतिपत्रिका : मार्च २०२०

हिंदी लोकवाणी

समय: २ घंटे **कुल अंक: ४०**

सूचनाएँ:

1. सूचनाओं के अनुसार गद्य, पद्य तथा भाषा अध्ययन (व्याकरण) की कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।
2. सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें।
3. रचना विभाग (उपयोजित लेखन) में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।
4. शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 – गद्य: 12 अंक

1. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[6]**

धीरे-धीरे गाँववाले को खोए हुए आदमी के कई गुणों के बारे में पता चलने लगा। वह पशु-पक्षियों से बातें करता प्रतीत होता। लगता था जैसे वह पशु-पक्षियों की भाषा जानता हो। वह आँधी, तूफान, चक्रवात आने, ओले पड़ने या टिड्डियों के हमले के बारे में गाववालें को पहले ही आगाह कर देता। उसकी भविष्यवाणी के कारण गाँववाले मुसीबतों से बच जाते। जब एक बार गाँव में सूखे की स्थिति उत्पन्न हो गई तो खोए हुए आदमी ने आकाश की ओर देखकर न जाने किस भाषा में किस देवता से प्रार्थना की। कुछ ही समय बाद गाँव में मूसलाधार बारिश होने लगी। सूखी-प्यासी मिट्टी तृप्त हो गई। बच्चे-बड़े सभी इस झमाझम बारिश में भीगने का भरपूर आनंद लेने लगे। उस दिन से खोया हुआ आदमी गाँव में सबका चहेता हो गया।

(1) आकृति पूर्ण कीजिए: (2)

खोए हुए आदमी के गुण

(i) …… (ii) ……

(2) i. गद्यांश में आए शब्द-युग्म ढूँढ़कर लिखिए: (1)

(i) …… (ii) ……

ii. निम्नलिखित शब्दों के लिए गद्यांश में आए हुए पर्यायवाची शब्द लिखिए: (1)

(i) वर्षा : – ……

(ii) देहात : – ……

(3) 'वाणी की मधुरता' विषय पर **25** से **30** शब्दों में अपने विचार लिखिए: (2)

(आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[6]**

मैंने देखा, हरसिंगार नये पत्तों और टहनियों से लद गया है। जाड़े में खंखड़-सा हो जाता है और कभी-कभी डर लगता है कि यह सूख तो नहीं रहा है, लेकिन वसंत आते ही इसके भीतर सोई ऊर्जा जागने लगती है, प्राणरस छलकने लगता है और क्रमश: नई टहनियों तथा नये पत्तों के सौंदर्य से लद जाता है। मैं उसे देख रहा हूँ और लगता है, अब इसमें फूल आया, तब इसमें फूल आया। हाँ, यह हरसिंगार बहुत मस्त है। आषाढ़ में हलकी-हलकी हँसी उसमें फूटने लगती है, फिर शरद में तो कहना ही क्या! तारों भरा आसमान बन जाता है। रात भर जगमग-जगमग करता रहता है और सुबह को अनंत फूलों के रूप में धरती पर बिछ जाता है। रात भर उसकी महक घर में टहलती रहती है।

(1) कृति पूर्ण कीजिए: (2)

हरसिंगार में होने वाले बदलाव
वसंत ऋतु में .....
वर्षा ऋतु में .....

(2) (i) वचन परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए: (1)
ऊर्जा जागने लगती है।

(ii) निम्नलिखित शब्दों के लिए गद्यांश में आए विलोम शब्द ढूँढ़कर लिखिए: (1)
(1) पुरानी × .....
(2) दिन × .....

(3) 'प्रकृति की रक्षा करना हमारा कर्तव्य' विषय पर **25** से **30** शब्दों में अपने विचार लिखिए। (2)

विभाग 2 – पद्य: 8 अंक

2. (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: [4]

कस्तूरी कुंडल बसै, मृग ढूँढ़ै बन माहिं।
ऐसे घट में पीव है, दुनिया जानै नाहिं।।

जिन ढूँढ़ा तिन पाइयाँ, गहिरे पानी पैठ।
जो बौरा डूबन डरा, रहा किनारे बैठ।।

जो तोको काँटा बुवै, ताहि बोउ तू फूल।
तोहि फूल को फूल है, बाको है तिरसूल।।

(1) कृति पूर्ण कीजिए: (2)

(i) लिखिए → फूल बोने का परिणाम .....
लिखिए → काँटे बोने का परिणाम .....

(ii) लिखिए → किनारे पर यह बैठा रहता है .....
लिखिए → वन में कस्तूरी यह ढूँढ़ता है .....

(2) पहली **दो** पंक्तियों का सरल अर्थ **25** से **30** शब्दों में अपने विचार लिखिए। (2)

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: [4]

यहाँ हर शख्स हर पल हादिसा होने से डरता है,
खिलौना है जो मिट्टी का, फना होने से डरता है।

मेरे दिल के किसी कोने में इक मासूम-सा बच्चा,
बड़ों की देखकर दुनिया बड़ा होने से डरता है।

न बस में जिंदगी इसके, न काबू मौत पर इसका,
मगर इन्सान फिर भी कब खुदा होने से डरता है।

अजब ये जिंदगी की कैद है, दुनिया का हर इन्साँ,
रिहाई माँगता है और रिहा होने से डरता है।

(1) संजाल पूर्ण कीजिए: **(2)**

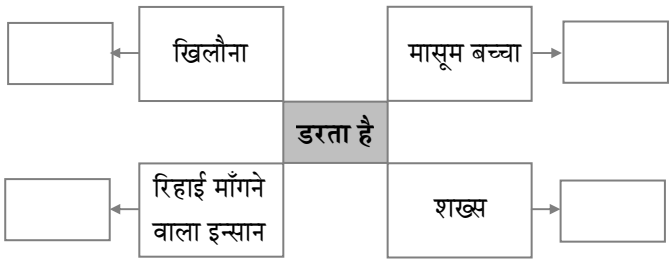

(2) अंतिम चार चार पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए। **(2)**

विभाग 3 – भाषा अध्ययन (व्याकरण): 8 अंक

प्र.3. सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

(1) मानक वर्तनी के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **(1)**

1. विश्वास, विशवास, विसवास, विशवास – .....
2. चिन्ह, चीन्ह, चिह्न, चिह्न – .....

(2) निम्नलिखित में से किसी एक अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए: **(1)**

i. के लिए ii. शाबाश!

(3) कृति पूर्ण कीजिए: **(1)**

संधि शब्द	संधि विच्छेद	भेद
.....	सत् + जन	.....
अथवा		
महात्मा	.....	.....

(4) अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए: **(1)**

(यादों में जाग उठना, नाक-भौं सिकोड़ना)

बचपन के गीत सुनकर मेरी <u>यादें ताजा हो गईं</u>।

अथवा

निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ लिखकर उचित वाक्य में प्रयोग कीजिए:

मन मारना –

(5) कालभेद पहचानना तथा काल परिवर्तन करना: **(2)**

i. निम्नलिखित वाक्य का कालभेद पहचानिए:

कल क्या खाया था?

ii. निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य का सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए:

1. पानी अब निर्मल नहीं रहा है। (सामान्य भविष्यकाल)
2. वह तुम्हें हमेशा बुरा-भला कहती है। (पूर्ण वर्तमानकाल)

(6) वाक्य भेद तथा वाक्य परिवर्तन: **(2)**

i. निम्नलिखित वाक्य का रचना के आधार पर भेद पहचानकर लिखिए:

चंपा के पौधे लगा लिए हैं।

ii. निम्नलिखित वाक्य का अर्थ के आधार पर दी गई सूचनानुसार परिवर्तन कीजिए:

इस बात के लिए ये गाँववाले ही जिम्मेदार हैं। (प्रश्नार्थक वाक्य)

विभाग 4 – रचना विभाग (उपयोजित लेखन): 12 अंक

सूचना – आवश्यकतानुसार परिच्छेद में लेखन अपेक्षित है।

प्र.4. सूचनाओं के अनुसार लिखिए। **[12]**

(अ)

1. पत्र-लेखन: **(4)**

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्रलेखन कीजिए:

शरद/शारदा इंगले, तुकाई सदन, तिलक नगर, चालीसगाँव से व्यवस्थापक मनुश्री पुस्तक भंडार, महात्मा नगर, जलगाँव को हिंदी की निम्नलिखित पुस्तकें मँगवाने हेतु पत्र लिखता/लिखती है।

अ.क्र.	पुस्तकों के नाम	लेखक	प्रतियाँ
1.	गोदान	**प्रेमचंद**	4
2.	पानी के प्राचीर	**रामदरश मिश्र**	6
3.	पिंजर	**अमृता प्रीतम**	3

अथवा

प्रकाश/प्रगति सालुंखे, वर्तकनगर, जालना से अपने मित्र/सहेली गौरव/गौरवी चव्हाण, आह्लाद नगर, बीड को जन्मदिन की बधाई देने हेतु पत्र लिखता/लिखती है।

2. कहानी-लेखन: **(4)**

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर 60 से 70 शब्दों में कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक दीजिए तथा सीख लिखिए:

एक आलसी किसान – अमीर होने का सपना – साधू के पास जाना – गुप्त धन की जानकारी पूछना – साधू का कहना – गुप्त धन खेत में – किसान द्वारा रोज खेत को खोदना – धन न मिलना – किसान का निराश होना – बरसात के दिनों में बीज डालना – अच्छी फसल – किसान के पास अच्छा धन – शीर्षक – सीख।

अथवा

गद्य-आकलन (प्रश्न निर्मिति): **(4)**

निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर गद्यांश में एक-एक वाक्य में हों:

तविषा अपराध-बोध से भरी हुई थी। मांडवी दी से उसने अपना संशय बाँटा। चावल की टंकी में घुन हो रहे थे। उस सुबह उसने मारने के लिए डाबर की पारे की गोलियों की शीशी खोली थी चावलों में डालने के लिए। शीशी का ढक्कन मरोड़कर जैसे ही उसने ढक्कन खोलना चाहा, कुछ गोलियाँ छिटककर दूर जा गिरीं। गोलियाँ बटोर उसने टंकी में डाल दी थीं। फिर भी उसे शक है कि एकाध गोली ओने-कोने में छूट गई होगी।

(आ) निबंध-लेखन

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 60 से 70 शब्दों में निबंध लिखिए: **(4)**

(1) मैं पेड़ बोल रहा हूँ .....

(2) अनुशासन का महत्त्व।

बोर्ड कृतिपत्रिका: नवंबर २०२०

हिंदी लोकवाणी

समय: २ घंटे **कुल अंक: ४०**

सूचनाएँ:

(1) सूचनाओं के अनुसार गद्य, पद्य, पूरक पठन तथा भाषा अध्ययन (व्याकरण) की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।

(2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें।

(3) रचना विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

(4) शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 – गद्य: 12 अंक

प्र.1. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[6]**

कई वर्षों की बात है। एक पुराना गाँव था। एक आदमी न जाने कहाँ से भटकता हुआ दूर-दराज के उस गाँव में आ पहुँचा था। गाँव के कुत्तों ने जब चीथड़ों में लिपटे उस अजीब आदमी को देखा तो उन्हें वह कोई पागल लगा। वे उस पर बेतहाशा भौंकने लगे। गाँव के बच्चे खेल रहे थे। कुत्तों की देखा-देखी गाँव के बच्चे भी पूरी दोपहर उसे छेड़ते और तंग करते रहे। आश्चर्य की बात यह थी कि वह आदमी उन बच्चों को कुछ बोल नहीं रहा था। संयोग से किसी भले आदमी ने गाँव के बच्चों को उस पर पत्थर फेंकते हुए देख लिया। जब वह भला आदमी उस आदमी के करीब गया तो उसके चेहरे पर मौजूद खोएपन के भाव के बावजूद उसे उसमें गरिमा के चिह्न दिखे। 'यह आदमी पागल नहीं हो सकता' – उसने सोचा। गाँव के उस आगंतुक भले व्यक्ति ने उस आदमी से उसका नाम, पता पूछा, पर वह कोई उत्तर नहीं दे सका।

1. कृति पूर्ण कीजिए: **[2]**

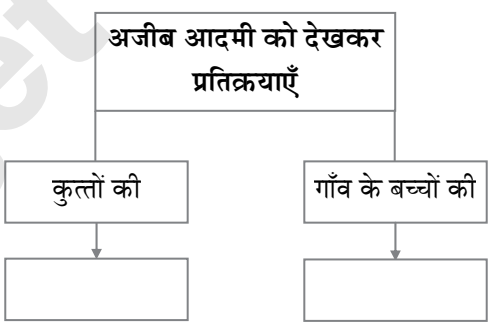

2. गद्यांश से ढूँढ़कर लिखिए:

i. समानार्थी शब्द **[1]**

(1) गौरव –

(2) अचरज –

ii. शब्द समूह के लिए एक शब्द लिखिए: **[1]**

(1) पहले से तिथि, समय आदि की सूचना दिए बिना अचानक आने वाला –

(2) बहुत घबराकर और बिना सोचे समझे –

3. 'मनुष्य की पहचान गुणों से होती है।' विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। **[2]**

Target Publications

प्र.1. (आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: [6]

एक बार एक बहुरूपिये ने साधु का रूप बनाया – सिर पर जटाएँ, नंगे शरीर पर भस्म, माथे पर त्रिपुंड, कमर में लँगोटी। उसके रूप में कही कोई कसर नहीं थी और वह संसारत्यागी साधु ही लगता था। उसने नगर से बाहर बड़े-से पेड़ के नीचे अपनी झोंपड़ी तैयार की, बगीचा लगाया और बैठकर तपस्या करने लगा। धीरे-धीरे सारे नगर में यह समाचार फैलने लगा कि बाहर एक बहुत पहुँचे हुए महात्मा ने आकर डेरा लगाया है। लोग उसके दर्शनों को आने लगे और धीरे-धीरे चारों तरफ साधु का यश फैल गया। सारे दिन उसके यहाँ भीड़ लगी रहती थी। लोग कहते थे कि महात्मा जी के उपदेशों में जादू है और उनके आशीर्वाद से संसार के बड़े से बड़े कष्ट दूर हो जाते है। अपनी इस कीर्ति से साधु को कभी-कभी बड़ा आश्चर्य होता और मन-ही-मन वह अपनी सफलता पर मुसकराया करता।

1. वाक्य पूर्ण कीजिए: [2]

i. सारे नगर में समाचार फैलने लगा कि .....

ii. साधु के बारे में लोग कहते थे कि .....

2. गद्यांश से ढूँढ़कर लिखिए: [2]

i. शब्द-युग्म:

(1) .....

(2) .....

ii. विलोम शब्द:

(1) असफलता × .....

(2) अपकीर्ति × .....

3. समाप्त होते जा रहे बहुरूपियों के पेशे के बारे में 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। [2]

विभाग 2 – पद्य: 8 अंक

प्र.2. (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: [4]

सोंधी-सोंधी-सी सुगंध, माटी से बोली,
बादल बरस गया, धरती ने आँखें खोलीं।

चारों ओर हुई हरियाली कहे मयूरा,
सदियों का जो सपना है हो जाए पूरा।

एक यहाँ पर नहीं अकेला होगी टोली,
सोंधी-सोंधी-सी सुगंध, माटी से बोली।

बाग-बगीचे, ताल-तलैया सब मुस्काएँ,
झूम-झूमकर मस्ती मएं तरु गीत सुनाएँ।

1. कृति पूर्ण कीजिए: [2]

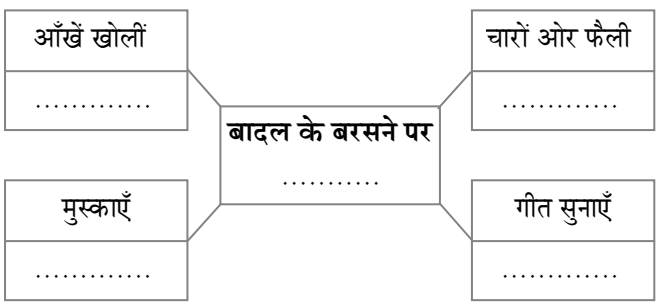

2. उपर्युक्त पद्यांश की अंतिम चार पंक्तियों का 25 से 30 शब्दों में सरल अर्थ लिखिए। [2]

Target Publications

प्र.2.(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: [4]

मानुष हौं तो वही 'रसखान', बसौं मिलि गोकुल गाँव के ग्वारन।
जो पसु हौं तो कहा बस मेरो, चरौं नित नंद की धेनु मँझारन।।
पाहन हौं तो वही गिरि को, जो धर्‌यो कर छत्र पुरंदर कारन।
जो खग हौं तो बसेरौ करौं मिलि कालिंदी कूल कदंब की डारन।।
धूरि भरे अति सोहत स्याम जू, तैसी बनी सिर सुंदर चोटी।
खेलत खात फिरै अँगना, पग पैंजनि बाजति, पीरी कछोटी।।

1. तालिका पूर्ण कीजिए: [2]

पद्यांश में उल्लेखित			
गाँव	प्राणी	नदी	वृक्ष
↓	↓	↓	↓

2. उपर्युक्त पद्यांश की क्रमशः किन्हीं दो पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में सरल अर्थ लिखिए। [2]

विभाग 3 – भाषा अध्ययन (व्याकरण): 8 अंक

3. निम्नलिखित सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: [8]

1. मानक वर्तनी के अनुसार सही शब्द छाँटकर लिखिए: [1]

i. मसतक/मस्थक/मस्तक/मस्तख

ii. खुबसुरत/खूबसुरत/खूबसूरत/खुबसूरत

2. निम्नलिखत अव्ययों में से किसी एक अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए: [1]

i. धीरे-धीरे

ii. इसलिए

3. कृति पूर्ण कीजिए: [1]

संधि शब्द	संधि-विच्छेद	संधि भेद
.....	सत् + जन	.....

अथवा

संधि शब्द	संधि-विच्छेद	संधि भेद
दुर्लभ	.....	.....

4. अधोरेखित वाक्यांश के लिए कोष्ठक में दिए गए मुहावरों में से उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए: [1]

(यादों में जाग उठना, अंक में भर लेना)

बहुत सालों बाद मिले अपने बेटे को माँ ने गले लगाया।

अथवा

मुहावरे का अर्थ लिखकर उचित वाक्य में प्रयोग कीजिए:

मुहावरा – चौपट हो जाना

अर्थ –

वाक्य –

Target Publications

5. i. निम्नलिखित वाक्य का काल भेद पहचानकर लिखिए: **[1]**
कहाँ तक चल रहे हैं?

ii. निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य का सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए: **[1]**

(1) मुझे अभिवादन का ध्यान आया। (सामान्य भविष्यकाल)

(2) मैंने सबकी बात सुनी है। (पूर्ण भूतकाल)

6. वाक्य भेद तथा परिवर्तन: **[2]**

i. निम्नलिखित वाक्य का रचना के आधार पर भेद पहचानकर लिखिए:
स्टेशन मास्टर ने सिग्नल नहीं दिया और गाड़ी आउटर पर खड़ी रही।

ii. निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य का अर्थ के आधार पर दी गई सूचनानुसार परिवर्तन कीजिए:

(1) ओह! दिव्या मैं ठीक हूँ। (विधानार्थी वाक्य)

(2) अधिक वर्षा के लिए हम जिम्मेदार हैं। (प्रश्नार्थक वाक्य)

विभाग 4 – रचना विभाग (उपयोजित लेखन): 12 अंक

सूचना:– आवश्यकतानुसार परिच्छेद में लेखन अपेक्षित है।

सूचनाओं के अनुसार लेखन कीजिए: **12**

(अ) (1) पत्रलेखन: **[4]**

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्रलेखन कीजिए:

अनिल/अनिता पाटील, गणेश नगर, सोलापुर से अपने मित्र/सहेली समीर/समिरा जमादार, बुधवार पेठ, सांगली को छुट्टियों में अपने घर आमंत्रित करने हेतु पत्र लिखता/लिखती है।

अथवा

राहुल/रविना जाधव, 12, शिवाजी नगर, पुणे से सचिन स्पोर्ट्स, 30, चंदन नगर, नासिक को खेल सामग्री की माँग करने हेतु पत्र लिखता/लिखती है।

(2) कहानी लेखन: **[4]**

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर 60 से 70 शब्दों में कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक दीजिए तथा सीख लिखिए:

घना-सा जंगल – एक कस्तूरी मृग – कस्तूरी की खुशबू चारों ओर फैलना – कस्तूरी मृग का हैरान होना – सुगंध की खोज करना – सुगंध महसूस करना पर दिखाई न देना – अंत में पता चलना – ।

अथवा

गद्य आकलन-प्रश्न निर्मिति:

निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर ऐसे **चार** प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर गद्यांश में **एक-एक** वाक्य में हों:

राही मासूम रजा का जन्म 1 सितंबर 1927 को पूर्वी उत्तर प्रदेश गाजीपुर के गंगौली गाँव में हुआ। उनकी प्रारंभिक शिक्षा गाँव में ही हुई। अलीगढ़ यूनिवर्सिटी से उर्दू साहित्य में पी-एच्. डी. करने के बाद उन्होंने कुछ साल तक वहीं अध्यापन कार्य किया। फिर वे मुंबई चले गए जहाँ सैकड़ों फिल्मों की पटकथा, संवाद और गीत लिखे। प्रसिद्ध धारावाहिक महाभारत की पटकथा और संवाद लेखन ने उन्हें इस क्षेत्र में सर्वाधिक ख्याति दिलाई। राही मासूम रजा एक ऐसे कवि-कथाकार थे जिनके लिए भारतीयता आदमीयता का पर्याय रही। इनके पूरे लेखन में आम हिंदुस्तानी की पीड़ा, दुख-दर्द, उसकी संघर्ष क्षमता की अभिव्यक्ति है।

(आ) निबंध लेखन: **[4]**

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 60 से 70 शब्दों में निबंध लिखिए:

(1) बाढ़पीड़ित की आत्मकथा

(2) यदि मैं अंतरिक्ष यात्री होता…

Target Publications

बोर्ड कृतिपत्रिका: मार्च २०१९

हिंदी लोकवाणी

Time : 2 Hours **Max. Marks : 50**

सूचनाएँ:

(1) सूचना के अनुसार गद्य, पद्य, भाषा अध्ययन (व्याकरण) की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।

(2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें।

(3) रचना विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

(4) शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 – गद्य : 12 अंक

1. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

"यार सुरेश?" अशोक ने अपने पारिवारिक मित्र से बड़े अचरज से पूछा, "मैं हमेशा देखता हूँ, तुम अपनी सौतेली माँ की दिन-रात सेवा करते रहते हो, लेकिन वह तुम्हें हमेशा बुरा-भला ही कहती है। बड़ी अजीब बात है, हमारे तो बस का काम नहीं है इतना सुनना, तुम कैसे कर लेते हो इतना सब्र?"

"करना पड़ता है भाई।" सुरेश ने फीकी मुस्कान से कहा, "इन्वेस्टमेंट सेंटर चलाता हूँ न, बाहर पैसे का इन्वेस्टमेंट करवाता हूँ और घर में संस्कारों का इन्वेस्टमेंट कर रहा हूँ।"

"संस्कारों का इन्वेस्टमेंट, वह कैसे?"

"बचपन में मैंने परिजनों को बुजुर्गों की सेवा करते देखा। इसी भाव का इन्वेस्टमेंट अब अपने बच्चों में कर रहा हूँ।"

(1) उत्तर लिखिए : **(2)**

(क) सौतेली माँ का सुरेश के साथ व्यवहार .....

(ख) सुरेश का सौतेली माँ के प्रति व्यवहार .....

(2) परिच्छेद से ढूँढ़कर लिखिए : **(2)**

(ग) दो प्रत्ययुक्त शब्द – ..... , ...।

(घ) दो विदेशी शब्द – ..... , ...।

(3) 'बड़े-बुजुर्ग ही बच्चों के आदर्श' अपने विचार लिखिए। **(2)**

(आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

बहुरूपियों के बारे में हम सब जानते हैं। इन लोगों का पेशा अब समाप्त होता जा रहा है, किसी समय रईसों और अमीरों का मनोरंजन करने वाले बहुरूपिये प्राय: हर नगर में पाए जाते थे। ये कभी धोबी का रूप लेकर आते थे, कभी डाकिए का। हू-बू-हू उसी तरह का व्यवहार करके ये प्राय: लोगों को भ्रम में डाल देते थे। इनकी इसी सफलता से धोखा खा जाने वाला रईस इन्हें इनाम देता था। उसी तरह के बहुरूपिये का एक रूप मैंने राजस्थानी लोककथाओं में सुना था और मुझे वह अभी भी अच्छी तरह याद है।

(1) **एक** अथवा **दो** शब्दों में उत्तर लिखिए : **(2)**

(क) बहुरूपिये प्राय: यहाँ पाए जाते थे .....।

(ख) बहुरूपिये इनका मनोरंजन करते थे .....।

(ग) बहुरूपिये इनका रूप लेते थे .....।

(घ) ये लोगों को प्राय: भ्रम में डालते थे .....।

(2) (च) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द ढूँढ़कर लिखिए: **(1)**

(1) गरीब × (2) बुरी ×

(छ) निम्नलिखित शब्दों के वचन परिवर्तन करके लिखिए: **(1)**

(1) बहुरूपिया – (2) लोककथाएँ –

(3) 'व्यक्तित्व विकास में कला का महत्त्व' अपने विचार लिखिए। **(2)**

विभाग 2 – पद्य : 10 अंक

2. (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

सबका समान रवि है, शशि है,
सबका समान है मुक्त पवन;
सारे मानव यदि मानव हैं;
सबके समान हों भूमि-गगन
कब नवयुग ऐसी नव संस्कृति,
नव विश्व व्यवस्था लाएगा?
ऐसा वसंत कब आएगा?

(1) संजाल आकृति पूर्ण कीजिए: **(2)**

कवि के अनुसार सबके लिए ये समान हैं

(2) पद्यांश से समानार्थी शब्द ढूँढ़कर लिखिए: **(1)**

(1) स्वतंत्र = _____ (2) संसार = _____

(3) 'समाज उन्नति में समानता का महत्त्व' अपने विचार लिखिए। **(2)**

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

दुर्बल को न सताइए, जाकी मोटी हाय।
बिना जीव की स्वाँस से, लोह भसम ह्वै जाय।।
गुरु कुम्हार सिष कुंभ है, गढ़-गढ़ काढ़ै खोट।
अंतर हाथ सहार दै, बाहर बाहै चोट।।
जाको राखै साइयाँ, मारि न सक्कै कोय।
बाल न बाँका करि सकै, जो जग बैरी होय।।

(1) उचित जोड़ियाँ मिलाइए: **(2)**

अ	आ
खोट निकालना	हाय
दुर्बल को सताना	साँस
लोहा भस्म होना	साईं
बाल भी बाँका न होना	गुरु
	जग

(2) सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **(1)**

उपसर्गयुक्त शब्द ← बल → प्रत्ययुक्त शब्द

(3) 'जीवन में गुरु का महत्त्व' अपने विचार लिखिए। **(2)**

विभाग 3 – भाषा अध्ययन (व्याकरण) : 10 अंक

3. निम्नलिखित सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

(1) सही शब्द छाँटकर लिखिए: **(1)**

यद्यपी, यद्यपि, यद्यीपी, यदयपि .....

निश्चल, निशचल, निष्चल, नीश्चल .....

(2) निम्नलिखित अव्यय का अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए: **(1)**

लेकिन

(3) कालभेद पहचानिए तथा परिवर्तन कीजिए: **(2)**

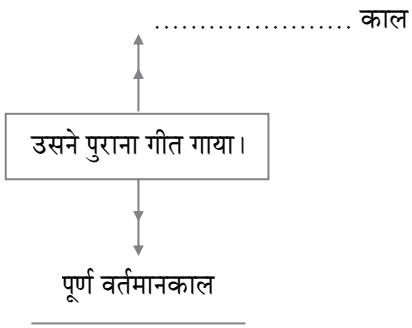

(4) (क) मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए: **(1)**

मुहावरा – डेरा लगाना

अर्थ –

वाक्य –

(ख) अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए: **(1)**

(चौपट हो जाना, सिहर उठना)

असमय बारिश के कारण किसानों की खेती नष्ट हो गई।

(5) कृति पूर्ण कीजिए: **(2)**

संधि शब्द	संधि विच्छेद	संधि भेद
दुस्साहस	.....	.....
.....	गण + ईश	.....

(6) वाक्य भेद पहचानकर लिखिए:

(ग) चंपा के पौधे लगा लिए हों। (रचना के अनुसार) **(1)**

(घ) आपको सरदर्द कितने समय से है? (अर्थ के अनुसार) **(1)**

विभाग 4 – रचना विभाग (उपयोजित लेखन) : 18 अंक

4. (अ) (1) पत्र-लेखन: **(4)**

सुमित/सुमिता तुपे, 3, 'लताकुंज', महात्मा नगर, वर्धा से अपने मित्र/सहेली समिर/समिरा दुबे, 5, 'स्नेहप्रभा' समता नगर, अमरावती को मैराथन दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने के उपलक्ष्य में अभिनंदन करने हेतु पत्र लिखता/लिखती है।

(2) कहानी-लेखन: **(4)**

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग 60 से 70 शब्दों में कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक दीजिए:

एक लड़की – घर में दादी के साथ अकेली – अचानक दादी की तबियत बिगड़ना – समयसूचकता दिखाना – डॉक्टर का आना – दादी की जान बचना – प्रशंसा पाना।

अथवा

गद्य आकलन-प्रश्न निर्मिति:

निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर ऐसे **चार** प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर गद्यांश में **एक-एक** वाक्य में हों:

व्यापार और वाणिज्य ने यातायात के साधनों को सुलभ बनाने में योग दिया है। यद्यपि यातायात के साधनों में उन्नति युद्धों के कारण भी हुई है, तथापि युद्ध स्थायी संस्था नहीं है। व्यापार से रेलों, जहाजों आदि को प्रोत्साहन मिलता है और इनसे व्यापार को। व्यापार के आधार पर हमारे डाक-तार विभाग भी फले-फूले हैं। व्यापार ही देश की सभ्यता का मापदंड है। दूसरे देशों से जो हमारी आवश्यकताओं की पूर्ति होती है, वह व्यापार के बल-भरोसे होती है। व्यापार में आयात और निर्यात दोनों ही सम्मिलित हैं। व्यापार और वाणिज्य की समृद्धि के लिए व्यापारी को अच्छा आचरण रखना बहुत आवश्यक है।

(आ) (1) विज्ञापन-लेखन: **(4)**

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर लगभग 50 से 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए:

फूलों की प्रदर्शनी

विशेषताएँ	,	स्थान	,	समय	,	संपर्क

(2) निबंध-लेखन: **(6)**

निम्नलिखित किसी **एक** विषय पर लगभग 70 से 80 शब्दों में निबंध लिखिए:

(1) समय का सदुपयोग **(2)** मैं पृथ्वी बोल रही हूँ .....